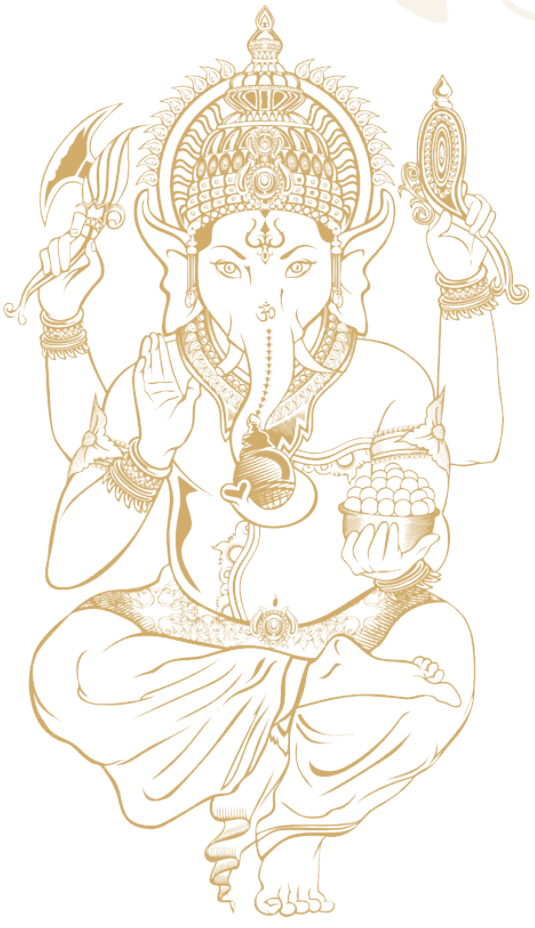

Mr. Yashdeep Singh

Ms. Ranu Singh

Model: Web-FreeMatching

Order No: 119430802

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
13/09/1995	जन्म तिथि	30/12/1997
बुधवार	दिन	मंगलवार
घंटे 19:22:00	जन्म समय	13:05:00 घंटे
घटी 34:07:36	जन्म समय(घटी)	15:54:15 घटी
India	देश	India
Varanasi	स्थान	Mau
25:20:00 उत्तर	अक्षांश	25:57:00 उत्तर
83:00:00 पूर्व	रेखांश	83:33:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे 00:02:00	स्थानिक संस्कार	00:04:12 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
05:42:57	सूर्योदय	06:42:23
18:04:52	सूर्यास्त	17:14:23
23:47:58	चित्रपक्षीय अयनांश	23:49:40

विंशोत्तरी	अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी
शुक्र 9वर्ष 11मा 30दि	23:59:55	मीन	लग्न	मेष	11:03:48	शुक्र 6वर्ष 1मा 11दि
मंगल	26:30:24	सिंह	सूर्य	धनु	14:48:44	मंगल
12/09/2021	20:00:02	मेष	चंद्र	धनु	22:35:22	11/02/2020
12/09/2028	10:22:39	तुला	मंगल	मक	15:36:49	11/02/2027
मंगल 09/02/2022	22:50:21	कन्या	बुध	वृश्चि	23:48:58	मंगल 09/07/2020
राहु 27/02/2023	14:17:17	वृश्चि	गुरु	मक	28:04:17	राहु 27/07/2021
गुरु 03/02/2024	02:55:53	कन्या	शुक्र व	मक	09:52:07	गुरु 03/07/2022
शनि 14/03/2025	27:37:15	कुंभ व	शनि	मीन	19:52:58	शनि 12/08/2023
बुध 11/03/2026	03:09:15	तुला	राहु व	सिंह	18:43:14	बुध 08/08/2024
केतु 07/08/2026	03:09:15	मेष	केतु व	कुंभ	18:43:14	केतु 05/01/2025
शुक्र 07/10/2027	02:56:33	मक व	हर्ष	मक	13:12:05	शुक्र 07/03/2026
सूर्य 12/02/2028	29:06:01	धनु व	नेप	मक	05:03:15	सूर्य 13/07/2026
चन्द्र 12/09/2028	04:22:36	वृश्चि	प्लूटो	वृश्चि	12:52:41	चन्द्र 11/02/2027

लग्न-चलित

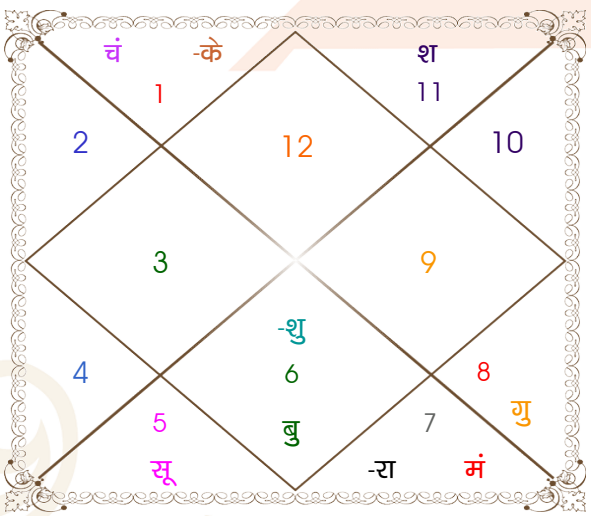

लग्न-चलित

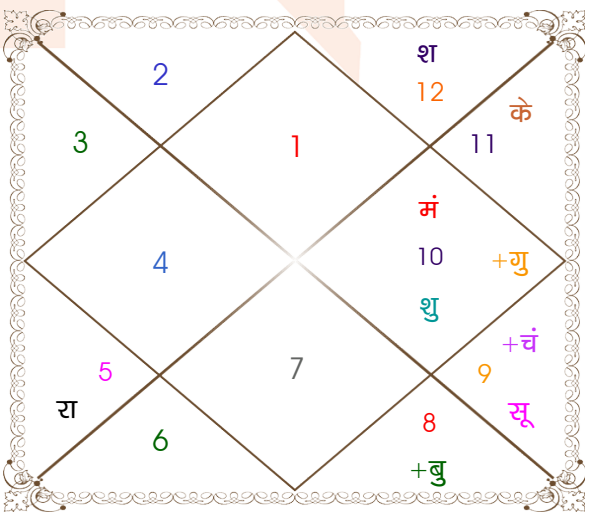

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	क्षत्रिय	क्षत्रिय	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	चतुष्पाद	चतुष्पाद	2	2.00	--	स्वभाव
तारा	जन्म	जन्म	3	3.00	--	भाग्य
योनि	गज	वानर	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	मंगल	गुरु	5	5.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	मनुष्य	मनुष्य	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	मेष	धनु	7	0.00	हाँ	जीवन शैली
नाड़ी	मध्य	मध्य	8	0.00	हाँ	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	19.00		

भकूट दोष प्रभावहीन है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों में मित्रता है।

डतण लैकममचै पदही का वर्ग मृग है तथा डेण त्ंदनै पदही का वर्ग मूषक है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार डतण लैकममचै पदही और डेण त्ंदनै पदही का मिलान औसत है।

मंगलीक दोष मिलान

डतण लैकममचै पदही मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में अष्टम् भाव में स्थित है।

कुजजीवो समायुक्तो युक्तो व कुजचन्द्रमा।
न मंगली मंगल राहु योग।

यदि मंगल-गुरु या मंगल-राहु या मंगल-चंद्र एक राशि में हों तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल एवं राहु डतण लैकममचै पदही कि कुण्डली में एक राशि में हैं अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

डेण त्ंदनै पदही मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में दशम् भाव में स्थित है।

डतण लैकममचै पदही तथा डेण त्ंदनै पदही में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।